

This question paper contains 16 printed pages]

H.P.A.S. (Main)—2011

HINDI (Compulsory)

(General Hindi)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note :— कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं । प्रश्न क्रमांक 1 और 2 अनिवार्य हैं । शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

Literature is the brain of humanity. Just as in the individual the brain preserves a record of his previous sensations, of his experience, and of his acquired knowledge, and it is in the light of this record that he interprets every flash sensation and

P.T.O.

experience; so the race at large has a record of its past in literature, and it is in the light of this record alone that its present conditions and circumstances can be understood. The message of the senses is indistinct and valueless to the individual without the co-operation of the brain; the life of the race would be degraded to a mere animal existence without the accumulated stores of previous experience which literature places at its disposal.

Or

(अथवा)

Respect Mothers : Because they as guardians and preserves of the children are the backbone of a society.

Because they as moulders of our future rulers and citizens are the true makers of a country or nation.

Hence the looking after the welfare of the child, of the girl and of the mother should be the first duty of the portratic public. For the healthy child today means a strong mother tomorrow.

Because you cannot rise up by keeping them down.

If you would help yourselves, then help them to work their way up out of the degrading conditions into which some of our customs have cast them.

Because they as being much more zealous in living lives of purity and devotion to religion are by nature the better half of the race.

Because the great seers of the world say : "Heaven lies at the feet of any mother".

Because they as ministering angles in the home are the embodiments of love and kindness to their children. We often remember our dear mother's love-men in old age. It is therefore through their sacred influence that India must be regenerated so that love and kindness may become the predominant principles here in our land.

2. (अ) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 10

कबिरा सोई पीर है, जो जाने पर पीर ।

जो पर पीर न जानई, सो काफिर बे पीर ॥

तू तू करता तू भया, मुझ में रही न हूँ ।

बारी फेरी बलिगई, जित देखो तित तूँ ॥

जल में कुंभ कुंभ में जल है, बाहर भीतर पानी ।

फूटा कुंभ जल जलहिं समाना, यह तथ कथौं गयानी ॥

अथवा

कहलाने एकत बसत, अहि मयूर मृग बाघ ।

जगतु तपोवन सौ कियौ, दीरघ दाघ निदाघ ॥

अरुन सरोरुह कर चरन, दृग-खंजन मुख चंद ।

समै आइ सुन्दरि सरद, काहि न करत अनंद ॥

अथवा

म्रियमाण जाति को प्राण दिया करता हूँ,

पीयूष-प्रभामय गान दिया करता हूँ ।

जो कुछ ज्वलंत है भाव छिपे नर-नर में,

है छिपी विभा उनकी मेरे खरशर में ।

मैं विभापुत्र जागरण गान है मेरा,

जग का अक्षय आलोक दान है मेरा ।

(आ) निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए 10

जीवन और साहित्य परस्पर एक दूसरे के बिना टिक नहीं सकते । साहित्यकार जनता की मानसिक क्षुधा को तृप्त करके उसे सही दिशा में चलने को इंगित करता है । साहित्य की भोज्य वस्तु है जीवन । साहित्य जीवन का सच्चा प्रतिबिम्ब है, जिसे इतिहासकार नहीं, साहित्यकार रचता है । मनुष्य-जीवन समाज से जुड़ा होता है और समाज साहित्य से । साहित्यकार का रिश्ता जितना व्यक्ति से है, उतना ही समष्टि से । साहित्य में राष्ट्रीय जीवन को सच्चाई के साथ अभिव्यक्त किया जाता है । साहित्यकार शून्य में रचना नहीं करता । जगत् की परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना वह रह नहीं सकता, इसलिए कि वह जगत् का ही एक अंग है ।

अथवा

यह ज्वलन्त संघर्ष देश की नई पीढ़ियों से सदा कहता रहेगा कि संकट का, विध्वंस का नाम सुनते ही दम मत तोड़ो, होश खोकर, अधीरता में हड़बड़ा कर बिखरो मत, अपनी सोई भीतरी शक्तियों को जगाकर, समेट कर जुट जाओ; उस संकट को, विध्वंस को पीछे धकेल कर, नये सृजनशील निर्माण को उगाने के लिए आगे-आगे और आगे बढ़ने के लिए । बाधाएँ आएँगी, विरोध रामलीला के रावणों की तरह ऊँचे होंगे, पर इसलिए नहीं, मेरा विश्वास करो इसलिए नहीं कि तुम्हें तोड़ें, नहीं नहीं, इसलिए कि तुम्हें नये-नये शक्ति स्रोतों से जोड़ें और तुम्हारे कमज़ोर कदमों एवं टूटी टूटी सी भुजाओं को अपनी मनोवैज्ञानिक मालिश से मजबूत बनाएँ ।

3. निम्नलिखित मुहावरे/लोकोक्तियों में से किन्हीं दस का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका प्रयोग वाक्यों में कीजिए : 20

- (A) अंग-अंग ढीला होना ।
- (B) अरण्यरोदन ।
- (C) आँखें बिछाना ।
- (D) उल्लू बोलना ।
- (E) ओछे की प्रीति बालू की भीति ।
- (F) कब्र में पाँव लटकना ।
- (G) कढ़ी का सा उबाल ।
- (H) काला नाग ।
- (I) खालाजी का घर ।
- (J) गूलर का फूल ।
- (K) दूध का दूध और पानी का पानी ।
- (L) देवता कूच कर जाना ।
- (M) अधजल गगरी छलकत जाए ।
- (N) आसमान से गिरा खजूर में अटका ।

4. (अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थि शब्द लिखिए : 10

- (1) अंधकार;
- (2) अवज्ञा;
- (3) अरण्य;
- (4) आँख;
- (5) आम;
- (6) ऊँचा;
- (7) किवाड़;
- (8) किरण;
- (9) चाँदनी;
- (10) तरकश ।

(आ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए : 10

- (1) अकर्मक;
- (2) अर्वाचीन;
- (3) अस्तित्व;

- (4) आकर्षण;
- (5) अतिवृष्टि;
- (6) आकीर्ण;
- (7) उदयाचल;
- (8) खेचर;
- (9) जंगम;
- (10) मौन ।

5. (अ) निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए : 10

- (1) गोरस;
- (2) कनक;
- (3) टीका;
- (4) पतंग;
- (5) अंक;
- (6) अज;

(7) अब्ज;

(8) अरुण;

(9) कर्ण;

(10) तारा ।

(आ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए :

10

(1) गोद में बैठा हुआ;

(2) पूरे जीवन में;

(3) जो व्यवहार में नहीं लाया गया;

(4) जो बिना ढका हो;

(5) वह रोग जिसका ठीक होना कठिन हो;

(6) वह जायदाद जो उत्तराधिकार में मिली हो;

(7) तैरने की इच्छा;

(8) पूर्व और उत्तर का कोना;

(9) परम्परा से चली आई हुई बात;

(10) बिना पलक गिराए ।

अथवा

निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए :

- (1) अँगूठा;
- (2) आग;
- (3) आक;
- (4) इकतीस;
- (5) ऊन;
- (6) गोबर;
- (7) जत्था;
- (8) जती;
- (9) चिड़िया;
- (10) दोना ।

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच शब्दों के उपसर्ग अलग करते हुए बताइए कि उपसर्ग के प्रयोग से मूल शब्द के अर्थ में क्या परिवर्तन हुआ है : 10

- (1) प्रस्थान;

- (2) समादर;
- (3) दुराचरण;
- (4) अभ्युदय;
- (5) पराजय;
- (6) प्रख्यात;
- (7) दुर्दिन;
- (8) आत्मबल;
- (9) अलवृत्ता;
- (10) सरहद ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के ऊनार्थक (लघुतावाची) शब्द लिखिए :

10

- (1) आरा;
- (2) ईट;
- (3) आँत;
- (4) कण;

(5) किवाड़;

(6) कुटी;

(7) खाट;

(8) कोठा;

(9) जूता;

(10) लोटा ।

7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 20

(1) मंत्री जी सायंकाल के समय शिमला पधारे ।

(2) रामलाल सज्जन व्यक्ति हैं ।

(3) शत्रु-मित्र की यह पहचान है ।

(4) यदि वह आता तब मैं जाता ।

(5) पूर्णिमा गाती गाती सो गई ।

(6) वैश्यावृत्ति समाज का कलंक है ।

(7) उसने बाजार को जाना था ।

(8) इस वाक्य की पुनर्रचना करो ।

(9) भारतीय संस्कृति सृष्टि के पुनरोदयकाल की उपज है ।

(10) अस्वस्था के निमित्त वह भाले जैसा उपयोगी शस्त्र नहीं उठा सका ।

8. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों के अर्थ हिंदी में लिखिए : 10

(1) Virtuous;

(2) Luminous;

(3) Lyre;

(4) Mock;

(5) Mobile;

(6) Hay;

(7) Illusion;

(8) Magisterial;

(9) Unowned.

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 10

- (1) आत्मा होती है, वह
..... मरती ।
- (2) देवता को माला
कर दो ।
- (3) भारत दृष्टि से
देश है ।
- (4) आपने कार्यालय में समय से
..... कर लिया है ।
- (5) जून के महीने में बरस रहे
थे और रिक्शावाला लथपथ
था ।